Email:samachar.indore@gmail.com, Website: www.indoresamachar.net

RNI No. 1533/57, Dak Reg.: MP/IDC/91/2024-2026 ***

वर्ष 87

अंक-118, इन्दौर
शुक्रवार 17 जुलाई 2026

पृष्ठ 12+8
मूल्य, 5 रुपए

इन्दौर समाचार के
पितृपुरुष स्व. श्री सुरेश सेठजी

इन्दौर समाचार

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़, 1 की मौत: 100 से ज्यादा घायल

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। हादसे में 100 से ज्यादा लोगों को घायल होने की खबर है। शाम 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए अचानक लोग रथों के पास जाने लगे।

यात्रा रूट पर मौजूद वॉलेंटियर लोगों को पीछे हटा रहे थे। तभी लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगे, इससे भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। पुरी में इस समय तेज बारिश हो रही है। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद हैं। यात्रा मुख्य मंदिर से 3द्मद्व दूर बने गुंडीचा मंदिर तक जाएगी।

पहले भी 2 बार भगदड़ हुई

18 जुलाई 2015: नवकलेवर वर्ष होने के कारण जगन्नाथ रथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु पहुंचे थे। भगवान बलभद्र का रथ खींचे जाने के दौरान ग्रैंड रोड के मारिचिकोट चौक के पास अचानक भीड़ बढ़ गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। दम घुटने से 2 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हुए।

29 जून 2025: जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर के बाहर सरधाबली इलाके में तड़के हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए जुटे थे। इसी दौरान भीड़ एक साथ आगे बढ़ने लगी। लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े, जिससे भगदड़ मच गई। हादसे में 3 श्रद्धालुओं की मौत हुई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए। घटना के बाद राज्य सरकार ने न्यायिक जांच के आदेश दिए और लापरवाही के आरोप में कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की।

अमेरिका ने ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक की

ईरान ने जवाब में तेहरान का बहरीन-कुवैत में मिसाइल हमला किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने गुरुवार तड़के ईरान में सैन्य ठिकानों पर एक बार फिर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, हमलों में मिसाइल लॉन्च साइट, रक्षा ठिकाने और सिस्तान-बलूचिस्तान में 388वीं ब्रिगेड की बैरक को निशाना बनाया गया।

जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। बहरीन और कुवैत में मिसाइल अलर्ट जारी किया गया। दूसरी तरफ जॉर्डन ने 8 ईरानी मिसाइलें मार गिराने की जानकारी दी। इस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अगर अमेरिका पीछे नहीं हटता, तो ईरान बड़े सैन्य टकराव के लिए तैयार है। वहीं, रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो मिडिल-ईस्ट से तेल और गैस का निर्यात भी रोका जा सकता है।

1. होर्मुज में जहाज नहीं भेज रहीं कंपनियां: ईरानी हमलों के बाद कई शिपिंग कंपनियां होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए अमेरिका की सुरक्षा लेने से भी बच रही हैं।
2. अमेरिकी हमलों में 35 ईरानी लोगों की मौत: ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के दिनों में हुए अमेरिकी हवाई हमलों में 35 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।
3. ईरान जंग के बाद पहली बार अमेरिका जाएंगे नेतन्याहू: इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू शनिवार को अमेरिका जाएंगे। वे दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम को श्रद्धांजलि देने जा रहे हैं।
4. अचानक कतर पहुंचे ईरानी विदेश मंत्री: अब्बास अराघची अचानक कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। वह कतर के पूर्व अमीर हमद बिन खलीफा अल थानी के सम्मान में आयोजित एक समारोह में हिस्सा लेंगे।
5. लापता भारतीय नाविक के मौत की पुष्टि: ओमान के तट के पास कारोबारी जहाज त्न्न्र गैलेक्सी पर 12 जुलाई को हुए हमले के बाद लापता हुए एक भारतीय नाविक की मौत की पुष्टि हो गई है।

अर्जेंटीना फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में

अटलांटा। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। लियोनेल मेसी की टीम ने बुधवार रात को दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। टीम 85 मिनट 0-1 से पिछड़ रही थी। उसके बाद आखिरी 7 मिनट में दो गोल दागे और जीत हासिल की। फाइनल में उसका मुकाबला 19 जुलाई को स्पेन से होगा। अटलांटा में एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट के गोल से इंग्लैंड फाइनल की ओर बढ़ता दिख रहा था। लेकिन लियोनेल मेसी की टीम ने आखिर वक्त में मैच का रुख पलट दिया। मेसी के पास पर एंजो फर्नांडेज ने 25 गज से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया।

बंगाल की खाड़ी में रोहिंग्या शरणार्थियों की दो नावें पलटीं :

500 से ज्यादा लोगों की मौत !

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार के रोहिंग्या शरणार्थियों को लेकर जा रही दो नौकाएं बंगाल की खाड़ी में पलट गईं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (UNHCR) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) के मुताबिक, दोनों नौकाओं में करीब 530 लोग सवार थे।

घटना की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन 500 से अधिक लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। UNHCR और ढ्ढहृरू के अनुसार, दोनों नौकाएं जून के अंत में म्यांमार के रखाइन प्रांत से रवाना हुई थीं। इनमें अधिकांश यात्री रोहिंग्या समुदाय के थे, जबकि कुछ लोग बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों से भी आए थे। पहली नाव का संपर्क रवाना होने के कुछ समय बाद ही टूट गया। इसमें करीब 250 लोग सवार थे। दूसरी नाव में लगभग 280 लोग थे और इसके 8 जुलाई को म्यांमार के अयेयारवाडी तट के पास डूबने की आशंका है। इस समय करीब 12 लाख रोहिंग्या बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। पिछले कई वर्षों में समुद्री रास्ते से पलायन के दौरान हजारों रोहिंग्या अपनी जान गंवा चुके हैं।

MP में निगम-मंडलों के जल्द भरेंगे रिक्त पद

सीएम मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष की बैठक में लगी मुहर

भोपाल । प्रदेश के निगम, मंडल और प्राधिकरणों में नियुक्तियों का दौर फिर शुरू हो सकता है। भोपाल, इंदौर के साथ बुंदेलखंड विकास प्राधिकरण में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य नियुक्त किए जा सकते हैं। इसके साथ ही सामाजिक दृष्टि से गठित बोर्डों में भी नियुक्तियां की जानी हैं।

हो चुकी हैं 40 से अधिक नियुक्तियां

प्रदेश में 40 से अधिक निगम, मंडल, आयोग और प्राधिकरणों में नियुक्तियां की जा चुकी हैं। यह सिलसिला चल रहा था और सूचियों को अंतिम रूप दिया जा रहा था कि बीच में कुछ निगम, मंडल के अध्यक्षों ने रैली निकाल दी। यह वह समय था, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पेट्रोलियम पदार्थों की बचत को लेकर प्रेरित कर रहे थे। इसे गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ठाकुर को भाजपा संगठन ने कारण बताओ नोटिस जारी किया। शासन ने ठाकुर के सारे अधिकार निलंबित कर दिए थे, जो अभी तक बहाल नहीं हुए हैं।

बैठक में बनी सहमति

सूत्रों का कहना है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच हुई बैठक में भोपाल, इंदौर और बुंदेलखंड विकास प्राधिकरण के साथ शेष निगम, मंडल में रिक्त पदों पर नियुक्ति करने को लेकर सहमति बनी है। माना जा रहा है कि विधानसभा सत्र के पहले या फिर दतिया विधानसभा उपचुनाव के बाद नियुक्तियां की जा सकती हैं।

गगनयान और चंद्रयान-3 से जुड़े

100 से ज्यादा वैज्ञानिकों ने छोड़ी नौकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के गगनयान और चंद्रयान-3 जैसे अत्यंत महत्वाकांक्षी और महत्वपूर्ण मिशनों से जुड़े वैज्ञानिकों के इस्तीफों ने अंतरिक्ष विभाग की चिंता काफी बढ़ा दी है। पिछले कुछ महीनों के भीतर 100 से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा नौकरी छोड़ने के बाद, विभाग ने इस पलायन को रोकने के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 14 जुलाई को जारी एक नए आंतरिक मेमोरेंडम के जरिए वैज्ञानिकों के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) और इस्तीफे के नियमों को पहले से कहीं अधिक सख्त कर दिया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब इसरो अपने सबसे बड़े मिशनों को अंजाम देने में जुटा है।

इस्तीफा देने वालों में कई बड़े और अहम प्रोजेक्ट्स से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को और बढ़ा देता है। वीएसएससी से एलवीएम-3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) के प्रोजेक्ट डायरेक्टर विक्टर जोसेफ ने इस्तीफा दे दिया है। इसी तरह, यूआरएससी से स्पैडेक्स प्रोजेक्ट के डायरेक्टर ने भी नौकरी छोड़ दी है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चंद्रयान-3 जैसे ऐतिहासिक मिशन का हिस्सा रहे आदित्य रालापल्ली ने भी इस्तीफा दिया है। वह मिशन के प्रोजेक्ट मैनेजर (सिमुलेशन) थे, और उनकी टीम ने चंद्रमा पर लैंडिंग को सत्यापित करने के लिए 1 लाख से अधिक परीक्षण किए थे, जिससे लगभग 25 टेराबाइट डेटा तैयार हुआ था।

वांगचुक बोले-रिपोर्ट नॉर्मल है,

इतनी जल्दी हार मानने वाला नहीं

संसद कूच की हुंकार

19वें दिन भी डटे सोनम वांगचुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख की संवैधानिक सुरक्षा और अन्य अधिकारों की मांग को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा आंदोलन अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है।

पिछले 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन का आज 19वां दिन है। बिगड़ती सेहत के बीच वांगचुक ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश की जनता से आगामी 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल होने की एक बेहद भावुक और बड़ी अपील की है।

लगातार बढ़ते दबाव के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए सोनम वांगचुक ने कहा कि उन्हें देशभर से हजारों आम नागरिकों, समाज के बड़े-बुजुर्गों और विभिन्न राजनीतिक नेताओं के संदेश मिल रहे हैं कि वे अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दें। कुछ शुभचिंतकों ने तो कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है ताकि सरकार उन्हें जबरन खाना खिला सके। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि अगर वे आज खाना खा लेते हैं तो इससे सरकार को यही संदेश जाएगा कि जनता के प्रति जवाबदेही की कोई ज़रूरत नहीं है; लोग बैठते हैं।

विशेष संपादकीय

भूख और बर्बादी के बीच का भारत : थाली में सिमटा हमारा नैतिक पतन

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

किसी भी भारतीय विवाह, पारिवारिक उत्सव या सामाजिक समारोह की सफलता का पैमाना आज भी व्यंजनों की विविधता और मेजबान की उदारता है। जितनी लंबी व्यंजन सूची, उतनी बड़ी प्रतिष्ठा; जितनी भरी थालियां, उतना अधिक सम्मान। पर इस चमक के पीछे एक खामोश सच है—कूड़ेदान में समाता अन्न। यह केवल बचा भोजन नहीं, बल्कि किसान का पसीना, प्रकृति के संसाधन, श्रमिक का श्रम और राष्ट्र की पूंजी का अपव्यय है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की 'खाद्य अपव्यय सूचकांक रिपोर्ट' के अनुसार भारत में हर वर्ष लगभग 68-78 मिलियन टन खाद्य पदार्थ घरेलू स्तर पर बर्बाद होते हैं, जबकि विवाह समारोहों में 10 से 20 प्रतिशत भोजन बिना स्वाद चखे ही

फेंक दिया जाता है। यह केवल सामाजिक व्यवहार नहीं, आर्थिक, पर्यावरणीय और नैतिक संकट है। जिस देश में आज भी लाखों लोग भरपेट भोजन से वंचित हों, वहां अन्न का यह अपमान हमारी सामूहिक चेतना पर सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है।

इस समस्या की जड़ हमारी सामाजिक मानसिकता में है। विवाहों में आवश्यकता से अधिक भोजन बनाना और 'ज्यादा से ज्यादा परोसना' आज भी प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मेजबान को भोजन कम पड़ने का भय रहता है, जबकि अतिथि संकोच या लालच में जरूरत से अधिक थाली भर लेते हैं। नतीजतन बड़ी मात्रा में भोजन कूड़ेदान में पहुंच जाता है। होटल और रेस्तरां का बुफे सिस्टम इस अपव्यय को और बढ़ाता है, जहां स्वाद की चाह भूख पर भारी पड़ती है। घरों में भी व्यस्त जीवनशैली, सही अनुमान की कमी और 'बचत' के बजाय 'नया खरीदो' की मानसिकता ने रसोई को अपव्यय का केंद्र बना दिया है। फल-सब्जियां सड़ जाती हैं, बचा भोजन फ्रिज में पड़ा रहकर अंततः कूड़े में चला जाता है। उपभोग की संस्कृति ने विवेक को पीछे धकेल दिया है; भोजन अब आवश्यकता नहीं, प्रदर्शन का माध्यम बन चुका है।

(शेष पष्ठ 9 पर)